

# झारखण्ड विधान सभा



## झारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2012

[सभा द्वारा यथापारित]

अधीक्षक, झारखण्ड राजकीय मुद्रणालय,  
राँची द्वारा मुद्रित ।

**झारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2012**  
**[सभा द्वारा यथापारित]**

झारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 2000 (अंगीकृत) में संशोधन हेतु विधेयक ।

**विषय-सूची**

भारत गणराज्य के तिरसठवें वर्ष से यह विस्तारित रूप में अधिनियमित हो ।

प्रस्तावना ।

संक्षिप्त नाम विस्तार और प्रारम्भ  
धाराएँ ।

1. संक्षिप्त नाम विस्तार और प्रारम्भ
2. झारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 2000 (अंगीकृत) की धारा 67(क) के निम्न परिच्छेद का प्रतिस्थापन:-धारा-67, उपधारा-(क) का संशोधन ।

झारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 2000 (अंगीकृत) की धारा 67(क) के निम्न परिच्छेद का प्रतिस्थापन-धारा-67 उपधारा-(क) में निम्न परिच्छेद "विश्वविद्यालय या महाविद्यालय शिक्षकों एवं अध्यापकों की श्रेणियों के सम्बन्ध में प्रवर्तित होने की तिथि से यह होगी, जिस तिथि को यह सत्र वर्ष की आयु प्राप्त कर ले। शिक्षक-वर्ग कर्मचारियों की श्रेणियों की तिथि यह होगी, जिस तिथि को यह सत्र वर्ष की आयु प्राप्त कर ले।"

निम्न प्रस्तावना से प्रतिस्थापित किया जाएगा-

"विश्वविद्यालय या महाविद्यालय शिक्षकों एवं अध्यापकों की श्रेणियों के सम्बन्ध में प्रवर्तित होने की तिथि से यह होगी, जिस तिथि को यह सत्र वर्ष की आयु प्राप्त कर ले। शिक्षक-वर्ग कर्मचारियों की श्रेणियों की तिथि यह होगी, जिस तिथि को यह सत्र वर्ष की आयु प्राप्त कर ले।"

**झारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2012**  
**[सभा द्वारा यथापारित]**

**झारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 2000 (अंगीकृत) में संशोधन हेतु विधेयक ।**

भारत गणराज्य के तिरसठवें वर्ष में यह निम्नलिखित रूप में अधिनियमित हो ।

1. संक्षिप्त नाम विस्तार और प्रारम्भ

- (1) यह अधिनियम झारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2012 कहा जा सकेगा ।
- (2) यह तुरंत प्रभावी होगा ।
- (3) इसका विस्तार सम्पूर्ण झारखण्ड राज्य में होगा ।

2. झारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 2000 (अंगीकृत) की धारा 67(क) के निम्न परिच्छेद का प्रतिस्थापन:—धारा—67, उपधारा—(क) में निम्न परिच्छेद “विश्वविद्यालय या महाविद्यालय शिक्षकों एवं परिनियम द्वारा घोषित उनके समतुल्य अधिकारी की सेवानिवृत्ति की तिथि इस अधिनियम के राज्य के गजट में प्रकाशित होने की तिथि से वह होगी, जिस तिथि को वह बासठ वर्ष की आयु प्राप्त कर लें। शिक्षकेत्तर कर्मचारी की सेवानिवृत्ति की तिथि वह होगी, जिस तिथि को वह साठ वर्ष की आयु प्राप्त कर लें।”

निम्न प्रावधानों से प्रतिस्थापित किया जायेगा, यथा:—

“विश्वविद्यालय या महाविद्यालय शिक्षकों एवं परिनियम द्वारा घोषित उनके समतुल्य अधिकारी की सेवानिवृत्ति की तिथि इस अधिनियम के राज्य के गजट में प्रकाशित होने की तिथि से वह होगी, जिस तिथि को वह पैंसठ वर्ष की आयु प्राप्त कर लें। शिक्षकेत्तर कर्मचारी की सेवानिवृत्ति की तिथि वह होगी, जिस तिथि को वह साठ वर्ष की आयु प्राप्त कर लें।”



यह विधेयक झारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2012 दिनांक 6 दिसम्बर, 2012 को झारखण्ड विधान सभा में उद्भूत हुआ और दिनांक 6 दिसम्बर, 2012 को सभा द्वारा पारित हुआ ।

यह एक धन विधेयक है ।

(चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह)

अध्यक्ष ।